चुनौतियां' विषय पर यह बात कुलपति प्रो. एनके तनेजा ने कही। अखिल

हिन्दुस्तान 24 मार्च 2021

शोध में ईमानदारी सबसे पहले

मेरठ। शोध में ईमानदारी और शोधार्थी की सत्यनिष्ठा बहुत जरूरी है। शोध, अन्य के विचार और एवं शोध को पढ़े बिना संभव नहीं हो सकता।

अन्य शोध का सही तरीके से संदर्भ देना आवश्यक है। शोधार्थी द्वारा किसी भी शोध पत्रिका में शोधपत्र भेजने की पूर्व शर्त शोध पत्रिका द्वारा लेखकों को दिए जाने वाले दिशा-निर्देशों का पालन करना है जिसमें संदर्भ शैली का भी उल्लेख होता है।

एनएएस कॉलेज में रिसर्च डेवलपमेंट सेल द्वारा 'रिफरेंसिंगः व्हाट इट इज एंड व्हाट टू यूज इट' विषय पर सीसीएसयू के डिप्टी लाइब्रेरियन डॉ.जमाल अहमद सिद्दीकी ने उक्त बात कही। उन्होंने एपीए शैली, वैनकूवर शैली एवं हॉवर्ड शैली को समझाया। शोध पत्र, प्रोजेक्ट एवं थीसिस में संदर्भ और उसके मूल्यांकन में इन शैलियों के योगदान को समझाया।

डॉ.सत्यप्रकाश गर्ग, डॉ.संजीव महाजन, डॉ.चंदन उपाध्याय, डॉ.शिखा चतुर्वेदी, डॉ.सुचित्र देवी, डॉ.संजय कुमार, डॉ.देवेश टण्डन, अभिषेक भाटिया, आदित्य कटियार, शिप्रा पटेल, गोविन्द, राजीव, गौरव एवं विश्वनाथ मौजूद रहे।

विभाग में भारतीय इतिहास एवं इतिहास कि जब भी कोई पुरुष समाज में आगे

हिन्दुस्तान - 25 मार्च 2021

लेक्चर में साहित्यिक चोरी से बचने के उपाय छात्रों को समझाए

मेरठ। एनएएस कॉलेज में रिसर्च डवलपमेंट सेल द्वारा 'अंडरस्टैंडिंग एंड प्री-वेंटिग प्लागेरिज्म' विषय पर हुए लेक्चर में छात्रों को साहित्यिक चोरी से बचने के उपाय समझाए।

सीसीएसयू कैंपस से एजुकेशन के प्रो. प्रदीप मिश्रा ने साहित्यिक चोरी के विभिन्न पहलु बताए। उन्होंने एपीए शैली, वैनकूवर शैली एवं हॉवर्ड शैली को समझाया। डॉ.चिन्मय चतुर्वेदी, डॉ.सत्यप्रकाश गर्ग, डॉ.संजीव महाजन, डॉ.चन्दन उपाध्याय, डॉ.शिखा चतुर्वेदी, डॉ.सुचित्रा देवी, डॉ.संजय कुमार, डॉ.देवेश टंडन, अभिषेक भाटिया, आदित्य कटियार, गोविन्द, राजीव, गौरव, विश्वनाथ मौजूद रहे।

सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मेरठ
ई-प्रोक्योरमेन्ट अल्पकालीन निविदा सूचना